कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन,
सतपुड़ा भवन, भोपाल–462004

क्रमांक– 1600 / 460 / आउशि / शा–5'अ' / 2022, भोपाल, दिनांक 01 / 02 / 2022

प्रति,

1. कुलसचिव,
   समस्त विश्वविद्यालय,
   मध्यप्रदेश।
2. प्राचार्य,
   समस्त शासकीय / अनुदान प्राप्त अशासकीय / निजी अशासकीय महाविद्यालय,
   मध्यप्रदेश।

विषय– विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं के संकाय के लिए सामुदायिक व्यस्तता के लिये सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन के संबंध में।

संदर्भ– संकाय विकास केंद्र महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देश जनवरी, 2022.

––0––

उपरोक्त विषयान्तर्गत सामुदायिक व्यस्तता के लिये सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के संबंध में संकाय विकास केंद्र महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देश जनवरी, 2022 व कार्यक्रम समय–सारणी संलग्न प्रेषित है।

अतः कुलसचिव, समस्त विश्वविद्यालय एवं प्राचार्य, समस्त महाविद्यालय, मध्यप्रदेश संकाय के लिए सामुदायिक व्यस्तता के लिये सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में प्राध्यापकों / छात्र–छात्राओं की सहभागिता हेतु निर्देशित करेंगे।

संलग्न–उपरोक्तानुसार,
(आयुक्त,उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

1/2/22

(डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल)
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

पृ. क्रमांक 1601 / 460 / आउशि / शा–5'अ' / 2022, भोपाल, दिनांक 01 / 02 / 2022

प्रतिलिपि :

1. स्टॉफ ऑफिसर, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल मध्यप्रदेश।
2. निज सहायक, आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, सतपुड़ा भवन, भोपाल मध्यप्रदेश।
3. समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक,उच्च शिक्षा,मध्यप्रदेश।
4. अध्यक्ष, संकाय विकास केंद्र, महात्मा गांधी राष्ट्रीय शिक्षा परिषद, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, भारत रत्न नानाजी देशमुख भवन, जे.एन.वी. कैम्पस, हैदराबाद विश्वविद्यालय, नालगंदला, हैदराबाद।
5. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, आई. टी. शाखा, उच्च शिक्षा संचालनालय, सतपुड़ा भवन, भोपाल, विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

–––की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश

R/339
2/02/2022

DSW/कुलानुशासक
प्रति, समस्त प्राचार्य / (विभागाध्यक्ष) निदेशक, विद्या परिसर मे महा./अध्ययनशाला/संस्थान की ओर–निर्देशानुसार कार्यवाही हेतु प्रेषित
01/02/22
Proctor
2/02/2022

अंतर्वस्तु

- संस्थागत नेताओं को सलाह देना
- समूह प्रक्रियाओं की सुविधा
- ग्राम तल्लीनता के तरीके और तकनीक
- सहभागी शिक्षण और कार्य
- प्रमुख रणनीतियाँ और रणनीतिक नेतृत्व

- केस चर्चा के तरीके
- रोल प्ले और टीम बिल्डिंग/नेटवर्किंग
- अकादमिक नेताओं के लिए परामर्श और सुविधा कौशल
- सीखने के लिए समूह और व्यक्तिगत अभ्यास
- फील्ड लर्निंग के लिए असाइनमेंट

- उन्नत भारत अभियान और अकादमिक नेतृत्व
- अकादमिक नेतृत्व में अनुभवात्मक शिक्षा
- उत्कृष्टता के लिए परिवर्तन लागू करना
- विकासशील संगठन आकांक्षा
- उच्चतर शिक्षा संस्थानों में दूरदर्शी नेतृत्व

- ग्रामीण समाज
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था
- ग्रामीण राजनीति
- ग्रामीण प्रशासन
- ग्रामीण विकास

- सामुदायिक व्यस्तता प्रक्रिया
- प्रशासनिक नेतृत्व
- निर्देशात्मक नेतृत्व
- परिचालन नेतृत्व
- जवाबदेही

निर्देश

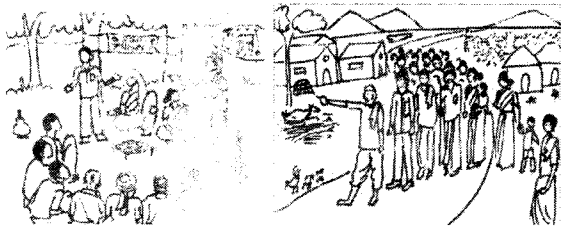

पंजीकरण:

- प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सभी 5 दिनों में उपस्थिति और सभी सत्रों के सत्रीय कार्यों को जमा करना अनिवार्य है।
- सत्र सुबह 10.00 बजे शुरू होगा और शाम 4.00 बजे समाप्त होगा।
- प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे हर दिन समन्वयक के निर्देशों का पालन करें और समय पर असाइनमेंट पूरा करें।

**चयनित संस्थागत स्वच्छता केस स्टडीज को आई.एस.बी.एन. पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा और रु. 3000/- का मेरिट फेलोशिप पुरस्कार दिया जाएगा।*

***चयनित ग्राम स्वच्छता वीडियो केस स्टडीज को रु. 3000/- का मेरिट फेलोशिप पुरस्कार दिया जाएगा।*

आयोजन समिति

एफ.डी.पी. समन्वयक 1:
फोन:
एफ.डी.पी. समन्वयक 2:
फोन:

एफ.डी.पी. ईमेल:

संकाय विकास केंद्र
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार

भारत रत्न नानाजी देशमुख भवन
...बी. कैम्पस, हैदराबाद विश्वविद्यालय, ...
फोन: 040 29349599 वेबसाइट: www.mgncre.org

Government Of India

संकाय विकास केंद्र

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा प...
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार

अनुभवात्मक शिक्षा, कार्य ...
और सामुदायिक व्यस्तता ...
यूनेस्को चेयर,

विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्चतर शैक्षणिक संस्...
संकाय के लिए

सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा और ...
सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्श...
पर
पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम
का आयोजन

संकाय के लिए संस्थागत नेता बनने के लिए खुद को कार्यप्रणाली, उप... तकनीकों से लैस करने का एक विशेष अवसर।

जनवरी, 2022

अभी पंजीकरण क...

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के बारे में

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.), गांधीवादी दर्शन और ग्रामीण व्यस्तता से संबंधित मुद्दों पर शिक्षक और शिक्षण मिशन पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के तहत संकाय विकास केंद्र (एफ.डी.सी.) के माध्यम से ग्रामीण उच्चतर शिक्षा पाठ्यक्रम और इसे संचालित करने वाले संकाय सदस्यों को मजबूत करना चाहता है। एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. अब भारत सरकार के लिए एक सलाहकार इंटरफेस और एक पाठ्यक्रम विकास एजेंसी है, जिसने पाठ्यक्रम, मैनुअल, पाठ्य पुस्तकों के विकास जैसे पथ-प्रदर्शक पहल की हैं; और पूरे देश में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ नेटवर्किंग और जुड़ाव, उच्चतर शिक्षा संस्थानों के क्षमता निर्माण और व्यावसायिकता, व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, आजीविका के लिए कौशल विकास, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक व्यस्तता, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक योगदान, एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स और साइको-सोशल गाइडेंस (विशेषकर कोविड से पहले और बाद में) पर ध्यान केंद्रित करना।

कार्य और शिक्षा को जोड़ने से एम.जी.एन.सी.आर.ई. को ग्रामीण समुदाय से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, सूचना और प्रलेखन गतिविधियों की एक एकीकृत प्रणाली के माध्यम से उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के लिए अपने अभिनव हस्तक्षेपों के लिए प्रतिष्ठित यूनेस्को चेयर ऑन एक्सपेरिमेंटल लर्निंग, वर्क एजुकेशन और कम्युनिटी एंगेजमेंट मिला है। शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा के क्षेत्रों में जुड़ाव, कार्य शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा। कुलपतियों, निदेशकों, संस्थानों के प्रमुखों, संकाय और छात्रों को शामिल करते हुए 12000 से अधिक संस्थागत प्रकोष्ठों / समितियों के गठन ने लगभग 2.5 लाख छात्रों और 30,000 संकाय सदस्यों को शामिल किया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपनी स्वच्छता कार्य योजना गतिविधियों के हिस्से के रूप में जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कारों के साथ 400 उच्चतर शिक्षा संस्थानों को मान्यता दी, प्रमाणित और सम्मानित किया। परिषद एक उत्प्रेरक संगठन के रूप में भारत में ग्रामीण परिवर्तन और समावेशी विकास की शुरुआत करना चाहती है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए फोकस की उच्च शैक्षिक धाराओं में शामिल हैं: ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, सामाजिक कार्य और शिक्षा।

सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन पर एफ.डी.पी.

इस संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम वातावरण में नवीन प्रगति और सुधार करने के लिए तैयार करना है। संस्थागत और संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में संकाय की सलाह एक लंबा सफर तय करेगी। उच्चतर शिक्षा मानव कल्याण के लिए ज्ञान पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। लेकिन पिछले दो दशकों में इस पहलू को बदल दिया गया है जब ज्ञान को ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदल दिया गया है और लगभग सभी देशों में उच्चतर शिक्षा इस अवधारणा से संचालित हो रही है। यही कारण है कि आज के उच्चतर शिक्षा संस्थानों को आपस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उच्चतर शिक्षा संस्थानों को अनुसंधान, नवाचार और ज्ञान अर्थव्यवस्था के माध्यम से समग्र रूप से समाज और मानव जाति के बेहतर उद्देश्य के लिए अपने बौद्धिक संसाधनों को जुटाकर सामाजिक जिम्मेदारी के अपने मौलिक कर्तव्य को पूरा करने की आवश्यकता है। ज्ञान अर्थव्यवस्था का योगदान, जिसके लिए एच.ई.आई. खड़ा है, सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपने उद्देश्यों के हिस्से के रूप में, योगदान के किसी भी अन्य तरीके से श्रेष्ठ माना जा सकता है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक आयाम का संकट हो। इसके अलावा, समाज की बेहतरी के लिए छात्र समुदाय की सार्थक और लाभकारी भागीदारी स्वयं एक उच्चतर शिक्षा संस्थान की एक सामाजिक जिम्मेदारी है क्योंकि समाज समग्र रूप से उच्चतर शिक्षा संस्थानों को अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के स्रोत के रूप में देखता है।

यह संकाय विकास कार्यक्रम का परिचय

1. **परियोजना प्रबंधन:** किसी भी कार्य को एक निश्चित समय में और उपलब्ध बजट के साथ पूरा करने के लिए
2. **सामुदायिक व्यस्तता:** समुदाय की महसूस की गई जरूरतों को पूरा करने के लिए जो शैक्षणिक संस्थान की क्षमता के भीतर हैं
3. **कॉर्पोरेट / संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व:** शैक्षिक संस्थान को बढ़ावा देने के लिए पड़ोसियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व जो स्थान, भूजल प्रदान करते हैं, सेवाएं और मानव शक्ति प्रदान करते हैं, कचरे का प्रबंधन करते हैं, सड़क और परिवहन प्रदान करते हैं
4. **सुविधा:** सर्वसम्मति बनाने और संसाधनों को साझा करके समुदायों के साथ काम करने पर उन्मुखीकरण के लिए
5. **मेंटरिंग:** उच्चतर शिक्षा संस्थानों के सामुदायिक व्यस्तता के लिए उन्मुखीकरण, निरंतर हाथ पकड़ना और मार्गदर्शन करना।

कार्यक्रम पद्धति

I. समस्या समाधान पद्धति
II. वर्ड केस डिस्कशन पद्धति
III. रोल प्ले पद्धति
IV. वीडियो केस स्टडी पद्धति
V. व्यक्तिगत व्यायाम
VI. समूह अभ्यास

लक्षित श्रोतागण

संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में उच्च संस्थानों से ऐसे शिक्षकों को आमंत्रित करना है जो सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता को वाले अपने नेतृत्व कौशल के माध्यम से अपने संगठन परिवर्तन लाने के इच्छुक हैं।

सीखने के परिणाम

यहां छात्र-समुदाय व्यस्तता या समुदाय-उन्मुख परियोजन के माध्यम से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी दिखाने के एच.ई.आई. की भूमिका आती है। संकाय हस्तांतरणी विकसित करेगा जैसे समस्या समाधान कौशल; महत्व रचनात्मक कौशल; उनके अभ्यास के सामाजिक औ निहितार्थों को समझने की क्षमता; संचार और टीम काम कौशल; पारस्परिक कौशल और सहानुभूति, सुनना और नवाचार बढ़ते संगठनों का एक महत्वपूर्ण गुण है। बढ़ते स संगठित ग्रूमिंग सपोर्ट की जरूरत है। यहीं पर मेंटरिंग म है। मेंटरिंग एक पेशेवर गतिविधि है, एक भरोसेमंद रिश सार्थक प्रतिबद्धता है। सुविधा कौशल "प्रक्रिया" कौशल उपयोग लोगों के समूहों के साथ काम के आयोजन के प्र को मार्गदर्शन और निर्देशित करने के लिए किया जा सक कि बैठक, योजना सत्र, और सदस्यों और टीम के न प्रशिक्षण। मेंटरिंग ग्रूमिंग की दक्षताओं का निर्माण करती एक वैचारिक पाठ्यपुस्तक का काम नहीं है बल्कि तक अभ्यास उन्मुख है। सुविधा निर्णय लेने और कौशल और को बढ़ाने में मदद करती है। संस्थागत और प्रणाली उन अद्यतनीकरण के माध्यम से संस्थागत सामाजिक उत्तरद भूमिका निभाने के लिए संस्थानों के संकाय सदस्यों को त के लिए एक सतत संस्थागत प्रयास की आवश्यकता है। स विशाल संस्थागत परामर्श और सुविधा कौशल की आवश्यव

एफ.डी.पी. में निम्नलिखित मूलभूत तत्व होंगे -

- सलाह देने की क्षमता
- बौद्धिक उत्तेजना
- प्रेरक प्रेरणा
- आदर्श प्रभाव
- दृष्टि साझा करना
- विजन का संचार करना
- संबंध बनाना
- एक सहायक संगठनात्मक संस्कृति का विकास व
- मार्गदर्शन कार्यान्वयन
- प्रदर्शन चरित्र
- परिणाम प्राप्त करना

सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन पर संकाय विकास कार्यक्रम

दिनांक	सत्र I 10:00 पूर्वाह्न - 11:00 पूर्वाह्न	सत्र II 11.00 पूर्वाह्न - 12.00 अपराह्न	सत्र III 12.00 अपराह्न - 1.00 अपराह्न	सत्र IV 2.00 अपराह्न - 3.00 अपराह्न	सत्र V 3.00 अपराह्न - 4.00 अपराह्न
पहला दिवस	उद्घाटन (10:00-10:30) संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व सामुदायिक व्यस्तता	संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का मार्गदर्शन करना	संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का मार्गदर्शन करना	सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा	सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा (असाइनमेंट: एस.ए.पी. संस्थागत स्थिति विश्लेषण)
दूसरा दिवस	ग्रामीण समाज: प्राकृतिक संसाधन, मूल्य और बुनियादी ढांचा: पी.आर.ए. तकनीक	ग्रामीण समाज: ग्रामीण तल्लीनता: मानचित्रण: वीडियो केस चर्चा	रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर: प्रॉब्लम सॉल्विंग	रूरल वैल्यूज: वीडियो केस डिस्कशन	ग्रामीण प्राकृतिक संसाधन: स्वच्छता: समस्या समाधान (असाइनमेंट: ग्राम वीडियो बनाना)
तीसरा दिवस	ग्रामीण अर्थव्यवस्था: कृषि, जल प्रबंधन, आजीविका और उद्यमिता और बाजार	ग्रामीण अर्थव्यवस्था: कृषि: प्राथमिकता मानचित्रण: व्यक्तिगत व्यायाम	ग्रामीण अर्थव्यवस्था: समूह और व्यक्तिगत व्यायाम	ग्रामीण अर्थव्यवस्था: उद्यमिता और एफ.पी.ओ. के साथ सहयोग, ग्रामीण प्रबंधन पहल / ग्रामीण सामूहिक: समूह व्यायाम	ग्रामीण अर्थव्यवस्था: जल प्रबंधन: व्यक्तिगत व्यायाम: जल शक्ति (असाइनमेंट: संस्थागत स्वच्छता केस स्टडी लेखन)
चौथा दिवस	ग्रामीण संस्थान: एस.एच.जी., पी.आर.आई., सिविल सोसाइटी और स्थानीय प्रशासन	ग्रामीण संस्थाएँ: पेस्टल विश्लेषण	ग्रामीण संस्थाएँ: सिविल सोसाइटी: रोल प्ले	ग्रामीण संस्थाएँ: स्थानीय प्रशासन: रोल प्ले	ग्रामीण संस्थाएँ: रोल प्ले (असाइनमेंट: गाँव की यात्रा योजना)
पाँचवां दिवस	ग्रामीण विकास: वर्तमान ग्रामीण विकास कार्यक्रम	उन्नत भारत अभियान (उन्नत भारत अभियान यू.बी.ए.) / स्वच्छ भारत अभियान (एस.ए.पी.) - एच.ई.आई. में नेतृत्व में भूमिका - भविष्य की कार्य योजना	यू.बी.ए. / एस.ए.पी. परियोजना प्रबंधन: वीडियो केस चर्चा	यू.बी.ए. / एस.ए.पी. परियोजना प्रबंधन: केस चर्चा	यू.बी.ए. / एस.ए.पी. परियोजना प्रबंधन: केस चर्चा और भविष्य की कार्य योजना

संकाय विकास केंद्र

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार